(iv) prompt and pragmatic examination impact of hydel development on environment;

(v) developing appropriate organisational structure to manage large hydel projects located in small states and remote areas;

(vi) development of micro hydel power stations in hilly areas and pursuing the possibility of developing low-head hydel resources along canals.

The Report of the Working Group was submitted recently and its recommendations are yet to be considered by the Government. However, the need for according high priority to hydel development is well recognised by the Government.

बिहार में बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप बिजली घर की स्थापना

66. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए और बिहार में नालन्दा तथा इसके आस-पास के क्षेत्र में बिजली की भारी कमी की स्थिति में सुधार के लिए बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप बिजली घर स्थापित करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो इसमें कितना समय लगेगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी): (क) बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप विद्युत् केन्द्र की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव बिहार से प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख): प्रश्न नहीं उठता ।

बिहार के नालन्दा जिले में सिंचाई योजनाओं की कमी

67. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के नालन्दा जिले और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थाई सिंचाई योजनाओं की काफी कमी है जिसके कारण इन क्षेत्रों में सूखे की स्थिति उत्पन्न होना आम बात हो गई है ; और

(ख) क्या इन क्षेत्रों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार पटना जिले के बख्तियारपुर के निकट गंगा नदी से एक नहर का निर्माण कराने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

बिहार में उपभोक्ताओं को उचित दर पर कोयले का वितरण

68. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य में उपभोक्ताओं को कोयला 16 से 18 रु० प्रति मन की दर पर बेचा जा रहा है जिसके फलस्वरूप उपभोक्ताओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है; और

(ख) क्या सरकार का उपभोक्ताओं को उचित दर पर कोयले की सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाने का विचार है; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) कोल इंडिया लि० को उपलब्ध सूचना के अनुसार पटना में साफ्ट कोक का फुटकर मूल्य 14 रुपये प्रति मन के पास बताया गया है । कमी की रिपोर्टें मिली हैं किन्तु अधिकांश स्थानों पर कमी परिवहन की समस्याओं के कारण हैं ।

(ख) बिहार को सड़क तथा रेल दोनों के द्वारा साफ्ट कोक अधिक मात्रा में भेजने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया गया है । राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह अपनी वितरण प्रणाली को अधिक सरल और कारगर बनाए । इससे राज्य में सप्लाई की स्थिति में सुधार होने की आशा है ।

Effect of power shortage on Industry and Agriculture

69. SHRI P. K. KODIYAN:
SHRI EBRAHIM SULAIMAN SAIT:
SHRI KRISHNA PRATAP SINGH:
SHRI MADHAVRAO SCINDIA:

Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether the country is facing serious power shortage which has badly affected production in industry as well as in agriculture;

(b) if so, what are the main causes for this shortage; and

(c) what measures have been taken to overcome the present crisis in power production?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) and (b). A number of States are presently facing shortage of power which does affect industrial and to some extent agriculture production also. The shortages have arisen due to failure of monsoons resulting in lower availability of power from hydel power stations in some states, increase in load demand particularly in the rural areas due to drought; inadequacy of installed capacity to meet the increasing load demand, prolonged time being taken for stabilization of newly commissioned generating capacity, poor performance of thermal power stations and shortage of coal at some of the thermal power stations.

(c) A number of measures have been taken to improve the availability of power in the country. These measures include:

(1) maximising generation from the existing thermal installed capacity in the central sector. State Governments have also been advised to similarly maximise generation from their thermal installed capacity;

(2) addition of about 17122 MW of new generating capacity during the period 1978—83, of which about 3000 MW has already been commissioned during 1978-79;

(3) transfer of power from surplus to deficit States;

(4) Monitoring of coal stocks and ensuring availability of adequate coal to thermal power stations.

Silent Valley Project

70. SHRI P. K. KODIYAN:
SHRIMATI MOHSINA KIDWAI:

Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Centre has not yet taken any decision regarding the Silent Valley project submitted by the Kerala Government;

(b) if so, what are the reasons for delay in taking a decision;

(c) whether any communication has been sent to the State Government from the Centre in this connection; and

(d) if so, the main points thereof?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) to (d). In view of reservations expressed by environmentalists and ecologists all over the world regarding destruction of the Silent Valley forest, which is one of the only remaining tropical rain forests in the world, the Government of Kerala has been requested to stop further work till the matter is discussed with the Central Government.